Important Question Class 7 Hindi Chapter 28 पांडवो और कौरवों के सेनापति

प्रश्न-1 कौरवों की सेना के नायक कौन थे?

उत्तर – कौरवों की सेना के नायक भीष्म पितामह थे ।

प्रश्न-2 किसे पांडवों की सेना का नायक बनाया गया?

उत्तर – वीर कुमार धृष्टद्युम्न को पांडवों की सेना का नायक बनाया गया।

प्रश्न-3 रुक्मी के अपमानित होने का कारण क्या था?

उत्तर – रुक्मी कर्तव्य से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र गया और अपमानित हुआ।

प्रश्न-4 युद्ध के समय कौन-कौन से राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहे?

उत्तर- युद्ध के समय सारे भारतवर्ष में दो ही राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहे-एक बलराम और दूसरे भोजकट के राजा रुक्मी।

प्रश्न-5 पांडवों की विशाल सेना को कितने हिस्सों में बाँटा गया?

उत्तर – पांडवों की विशाल सेना को सात हिस्सों में बाँटा गया। द्रुपद, विराट, धृष्टद्युम्न, शिखंडी, सात्यकि, चेकितान, भीमसेन आदि सात महारथी इन सात दलों के नायक बने।

प्रश्न-6 युद्ध को लेकर कर्ण की क्या हठ थी?

उत्तर- कर्ण की हठ थी कि जब तक भीष्म जीवित रहेंगे, तब तक वह युद्ध-भूमि में प्रवेश नहीं करेगा। भीष्म के मारे जाने के बाद ही वह लड़ाई में भाग लेगा और केवल अर्जुन को ही मारेगा।

प्रश्न-7 कौरवों की सेना की व्यूह-रचना देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन को क्या कहा?

उत्तर- कौरवों की सेना की व्यूह-रचना देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन को आज्ञा दी–"एक जगह सब वीरों को इकट्ठे रहकर लड़ना होगा। अतः सेना को सूची-मुख (सूई की नोंक के समान) व्यूह में सज्जित करो।"

प्रश्न-8 रुक्मी किस मनसा से पांडवों की सहायता के लिए गए?

उत्तर- कुरुक्षेत्र में होनेवाले युद्ध के समाचार सुनकर रुक्मी ने सोचा कि यह अवसर वासुदेव की मित्रता प्राप्त कर लेने के लिए ठीक होगा। इसलिए वह पांडवों के पास उनकी सहायता का प्रस्ताव ले कर गए।

प्रश्न-9 रुक्मी को अपमानित होकर भोजकट क्यों लौटना पड़ा?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर – कुरुक्षेत्र में होनेवाले युद्ध के समाचार सुनकर रुक्मी ने सोचा कि यह अवसर वासुदेव की मित्रता प्राप्त कर लेने के लिए ठीक होगा। इसलिए वह पांडवों के पास उनकी सहायता का प्रस्ताव ले कर गए। इस पर अर्जुन ने रुक्मी से बोला "राजन्! आप बिना शर्त के सहायता करना चाहते हैं, तो आपका स्वागत है। नहीं तो आपकी जैसी इच्छा।" यह सुनकर रुक्मी क्रोध में अपनी सेना लेकर दुर्योधन के पास गया और उससे कहा "पांडव मेरी मदद नहीं चाहते हैं। इस कारण मैं आपकी सहायता हेतु आया हूँ।" परन्तु दुर्योधन ने कहा "पांडवों ने जिसकी सहायता स्वीकार नहीं की, हमें उसकी सहायता स्वीकार करने की ज़रूरत नहीं है।" इस प्रकार रुक्मी दोनों तरफ़ से अपमानित होकर भोजकट वापस लौट गए|

प्रश्न-10 कर्ण की मृत्यु कब हुई?

उत्तर – सत्रहवें दिन की लड़ाई में कर्ण की मृत्यु हो गई।

प्रश्न-11 द्रोणाचार्य के बाद किसे सेनापति बनाया गया?

उत्तर- द्रोणाचार्य के बाद कर्ण को सेनापति बनाया गया।

प्रश्न-12 महाभारत का युद्ध कुल कितने दिन तक चला?

उत्तर- महाभारत का युद्ध कुल अट्ठारह दिन तक चला।

प्रश्न-13 भीष्म के नेतृत्व में कौरव-वीरों ने कितने दिन तक युद्ध किया?

उत्तर – भीष्म के नेतृत्व में कौरव-वीरों ने दस दिन तक युद्ध किया।

प्रश्न-14 कर्ण की मृत्यु के बाद किसने सेनापति बनकर सेना का संचालन किया?

उत्तर- कर्ण की मृत्यु के बाद शल्य ने कौरवों का सेनापति बनकर सेना का संचालन किया।

प्रश्न-15 अर्जुन के भ्रम को दूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में क्या किया?

उत्तर– अर्जुन के भ्रम को दूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में कर्मयोग का उपदेश दिया।

प्रश्न-16 भीष्म कब आहत हुए और उनके बाद सेनापति किसे नियुक्त किया गया?

उत्तर- दस दिन के युद्ध के बाद भीष्म आहत हुए और उनके बाद द्रोणाचार्य को सेनापति नियुक्त किया गया।

प्रश्न-17 युधिष्ठिर युद्ध शुरू होने के पहले क्यों अपने रथ से उतरे?

उत्तर – युधिष्ठिर युद्ध शुरू होने के पहले अपने रथ से बड़ो की आज्ञा लेने के लिए उतरे क्योंकि बिना बड़ों की आज्ञा लिए युद्ध करना अनुचित माना जाता है।

प्रश्न-18 भीम ने युधिष्ठिर के सामने अपनी क्या विवशता व्यक्त की?

उत्तर – भीष्म बोले-"बेटा युधिष्ठिर, मुझे तुमसे यही आशा थी। मैं स्वतंत्र नहीं हूँ। विवश होकर मुझे तुम्हारे विपक्ष में रहना पड़ रहा है। फिर भी मेरी यही कामना है कि रण में विजय तुम्हारी हो।"

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न-19 युद्धक्षेत्र में क्या देख कर दोनों ही पक्षवाले अचंभे में पड़ गए?

उत्तर – एकाएक पांडव-सेना के बीच में हलचल मच गई। युधिष्ठिर ने अचानक अपना कवच और धनुष-बाण उतारकर रथ पर रख दिया और रथ से उतरकर हाथ जोड़े कौरव-सेना की हथियारबंद पॉक्तियों को चीरते हुए भीष्म की ओर पैदल जा रहे थे। बिना सूचना दिए उनको इस प्रकार जाते देखकर दोनों ही पक्षवाले अचंभे में पड़ गए।

https://www.evidyarthi.in/